यौन सम्बंध संचारित संक्रमण (STI)

Sexually Transmitted Infections (STIs)

About STIs

Sexually transmitted infections (STI) are infections most often spread from person to person through sexual contact. These infections cause sexually transmitted diseases (STDs). There are more than 30 types of bacteria, viruses, or parasites that cause STIs.

Some of the more common infections are:

- Chancroid
- Chlamydia
- Genital herpes
- Gonorrhea
- Hepatitis
- Human immunodeficiency virus (HIV)
- Human papilloma virus (HPV or genital warts)
- Syphilis
- Trichomoniasis

STI के बारे में

यौन सम्बंध संचारित संक्रमण (STI) वे संक्रमण हैं, जो अकसर यौन संपर्क के जरिए एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलते हैं। ये संक्रमण सम्बंध यौन सम्बंध संचारित रोगों (STD) का कारण बनते हैं। 30 प्रकार से अधिक बैक्टीरिया, वायरस या परजीवी हैं, जो यौन सम्बंध संचारित संक्रमण (STI) का कारण बनते हैं।

अधिक आम संक्रमणों में से कुछ निम्नलिखित हैं:

- क्लैनक्रोइड
- क्लैमाइडिया
- जननांग संबंधी हेर्पीज़ (परिसर्प)
- सूजाक
- हेपेटाइटिस
- ह्मन इम्यूनोडिफ़िशिएँसी वायरस (एचआईवी)
- ह्मन पैपिलोमा वायरस (HPV या जननांग संबंधी मस्सा)
- सिफिलिस
- ट्राइकोमोनियासिस

How STIs happen

STIs are caused by germs that live on the skin or in body fluids like semen, vaginal fluid, or blood.

These germs can enter the body through the vagina, mouth, anus, and open sores or cuts. Some germs, like the ones that cause herpes or genital warts, infect a person through the skin of the genitals.

The germs pass from an infected person through contact with skin, blood, or body fluids. Sexual contact (oral, vaginal, anal) with an infected person is the most common way to become infected.

यौन सम्बंध संचारित संक्रमण (STI) कैसे होता है

यौन सम्बंध संचारित संक्रमण (STI) उन कीटाणुओं के कारण होता है, जो त्वचा पर या शरीर के तरल पदार्थों जैसे वीर्य, योनि द्रव, या ख़ून में रहते हैं।

ये रोगाणु योनि, मुँह, गुदा, और खुले घावों या कटे हुए भाग के जरिए शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। कुछ रोगाणु, जैसे कि जो हर्पीज़ या जननांग मस्से का कारण बनते हैं, किसी व्यक्ति को जननांगों की त्वचा के जरिए संक्रमित करते हैं।

कीटाणु किसी संक्रमित व्यक्ति की त्वचा, रक्त या शरीर के तरल पदार्थों से संपर्क होने पर चले आते हैं। संक्रमित व्यक्ति के साथ लैंगिक संपर्क (मौखिक, योनि, गुदा) संक्रमित होने का सबसे आम तरीका है।

Facts about STIs

- STIs affect both men and women, but health problems from STIs tend to happen more often and be worse for women than men.
- Unprotected anal sex puts women at even greater risk of getting STIs than unprotected vaginal sex.
- In women, some STIs can spread and cause other serious problems.
- Most STIs can be treated. Some can be cured, but others cause life long disease.
- STIs can be spread even if there are no signs of infection. It can be hard to tell if someone has an STI.
- A pregnant or breastfeeding woman who is infected can pass the infection to her baby.
- STIs are not spread through casual contact, or by sitting on toilet seats, or by being in swimming pools.

Talk to your doctor or nurse if you have any questions or concerns.

यौन सम्बंध संचारित संक्रमण (STI) के बारे में तथ्य

- यौन सम्बंध संचारित संक्रमण (STI) पुरुषों और महिलाओं, दोनों को प्रभावित करता है, लेकिन STIs से स्वास्थ्य समस्याएँ पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक होती हैं और बदतर होती हैं।
- असुरक्षित योनि सेक्स की तुलना में असुरक्षित गुदा सेक्स महिलाओं को यौन सम्बंध संचारित संक्रमण (STI) प्राप्त करने के अधिक जोखिम में डालता है।
- कुछ यौन सम्बंध संचारित संक्रमण (STI) महिलाओं में फैल सकते हैं और अन्य गंभीर समस्याएँ पैदा कर सकते हैं।
- अधिकांश यौन संचारित संक्रमणों (STIs) का इलाज किया जा सकता है। कुछ को ठीक किया जा सकता है, लेकिन अन्य जीवन भर बीमारी का कारण बनते हैं।
- संक्रमण का कोई लक्षण नहीं होने पर भी यौन सम्बंध संचारित संक्रमण (STI) फैल सकता है। क्या किसी को यौन सम्बंध संक्रमण (STI) है, इसे बता पाना कठिन हो सकता है।
- गर्भवती या स्तनपान करने वाली वह महिला, जो संक्रमित है, अपने बच्चे में संक्रमण फैला सकती है।
- यौन सम्बंध संचारित संक्रमण (STI) आकस्मिक संपर्क, या शौचालय की सीटों पर बैठने, या स्विमिंग पूल में होने से नहीं फैलता है।

यदि आपके कोई प्रश्न या चिंताएं हों तो अपने डॉक्टर या नर्स से बात करें।

Signs of STI’s

Signs may develop in a few days or they may not occur for months. Signs may not be noticed or there may be none. Often signs in women are the same as a yeast infection or urinary tract infection.

Common signs may include:

- Burning with urination
- Vaginal discharge
- Abdominal pain
- Blisters or open sores on genitals
- Warts
- Rash
- Bleeding between periods

Getting tested is the only way to be sure you are treated for the right infection.

यौन सम्बंध संचारित संक्रमण (STI) के लक्षण

लक्षण कुछ दिनों में विकसित हो सकते हैं या वे महीनों तक प्रकट नहीं हो सकते हैं । संभव है कि लक्षणों पर ध्यान न जाए या कोई लक्षण हो ही नहीं। अकसर महिलाओं में वे ही लक्षण होते हैं जो यीस्ट संक्रमण या मूत्र मार्ग के संक्रमण में होते हैं।

आम लक्षणों में ये शामिल हो सकते हैं:

- पेशाब के साथ जलन
- योनिस्राव
- पेट में दर्द
- जननांगों पर छाले या खुले घाव
- मस्से
- ददोरा
- मासिक धर्म के बीच में रक्तस्राव (ब्लीडिंग)

परीक्षण ही एकमात्र ऐसा तरीका है जिससे आप सही संक्रमण के इलाज को सुनिश्चित कर सकते/सकती हैं।

Testing

You can be tested for STIs by your doctor or at your local health department.

You can usually find a list of locations for nearby clinics and testing sites online. If you are not able to find any, call your local health department for places.

Many places offer free or low-cost testing.

परीक्षण

आपके डॉक्टर द्वारा या आपके स्थानीय स्वास्थ्य विभाग पर STI के लिए आपका परीक्षण किया जा सकता है।

आप आमतौर पर नजदीकी क्लिनिक और परीक्षण स्थलों के लिए स्थानों की सूची ऑनलाइन भी प्राप्त कर सकते/सकती हैं। यदि आप किसी को भी ढूँढ़ने में सक्षम नहीं हैं, तो उन स्थानों के लिए अपने स्थानीय स्वास्थ्य विभाग को कॉल करें।

कई स्थान निःशुल्क या कम-लागत पर परीक्षण की पेशकश करते हैं।

Treatment

Medicine is used to treat most STIs. Bacterial infections, such as syphilis, chlamydia and gonorrhea, are 90% cured when all antibiotics are taken as directed. Viral infections, such as herpes and HIV, cannot be cured.

Treatment and medicine can be used to help relieve the signs and keep the disease from becoming worse.

If you are being treated for an STI, follow the instructions for your treatment and avoid sexual contact until you and your partner have been treated.

उपचार

अधिकांश यौन सम्बंध संचारित संक्रमणों (STI) के इलाज के लिए दवा का उपयोग किया जाता है। सिफिलिस, क्लैमाइडिया और सूजाक जैसे बैक्टीरियल संक्रमण तब 90% ठीक हो जाते हैं जब सभी एँटीबायोटिक्स निर्देशित ढंग से लिए जाते हैं। वायरल संक्रमण, जैसे कि हर्पीज़ और एचआईवी, को ठीक नहीं किया जा सकता है।

उपचार और दवा का उपयोग लक्षणों को राहत देने और बीमारी को बदतर होने से बचाने के लिए किया जा सकता है।

यदि यौन सम्बंध संचारित संक्रमण (STI) के लिए आपका इलाज किया जा रहा है, तो आपके इलाज के लिए दिए गए निर्देशों का पालन करें और जब तक आपका और आपके साथी का इलाज नहीं हो जाता है, तब तक यौन संपर्क बनाने से बचें।

What happens if I don’t get treated?

There are a number of problems that could happen if you do not get treated or do not finish you your treatment. These may include:

- Increased chance for HIV infection
- Genital cancer
- Infertility or sterility
- Chronic illness such as hepatitis, cirrhosis (scarring of the liver), cancer or AIDS
- Pregnancy problems, such as miscarriages
- The mother can give an STI to her baby before or during childbirth

यदि मेरा इलाज नहीं किया गया, तो क्या होगा?

यदि आप इलाज नहीं कराते/कराती हैं या आप अपना इलाज पूरा नहीं करते/करती हैं, तो ऐसी कई समस्याएँ हैं जो आपको हो सकती हैं। इनमें ये शामिल हो सकते हैं:

- एचआईवी संक्रमण की संभावना में वृद्धि
- जननांग का कैंसर
- बंध्यता या बाँझपन
- चिरकालिक बीमारी जैसे कि हेपटाइटिस, सिरोसिस (लिवर का खराब होना), कैंसर या एड्स (AIDS)
- गर्भधारण की समस्याएँ, जैसे कि गर्भपात
- माँ अपने शिशु को प्रसव से पहले या उसके दौरान यौन सम्बंध संचारित संक्रमण (STI) दे सकती है

- Heart problems
- Problems affecting the brain and nerves, such as confusion, problems walking or blindness
- Death

- हृदय संबंधी समस्याएँ
- मस्तिष्क और तंत्रिकाओं को प्रभावित करने वाली समस्याएँ, जैसे कि भ्रांति, पैदल चलने में समस्या या अंधापन
- मृत्यु

STI Prevention

There are some things you can do to limit your chances of getting an STI, such as:

- Don't have sex.
- Have only 1 sexual partner.
- Use condoms correctly each and every time you have intercourse.
- Talk with your partner about STIs before having sex.
- Have a pelvic exam and have STI testing every year if you are sexually active.
- Avoid alcohol or drug use that could cause you to take risks.

यौन सम्बंध संचारित संक्रमण की रोकथाम

कुछ ऐसे कार्य हैं, जिन्हें आप यौन सम्बंध संचारित संक्रमण (STI) प्राप्त करने की अपनी संभावनाओं को सीमित करने के लिए कर सकते/सकती हैं, जैसे कि:

- संभोग न करें
- यौन सम्बंध वाला केवल 1 साथी रखना
- हर बार संभोग करते समय कंडोम का सही ढंग से प्रयोग करना।
- यौन संबंध बनाने से पहले अपने पार्टनर के साथ यौन सम्बंध संचारित संक्रमण (STI) के बारे में बात करना।
- यदि आप लैंगिक दृष्टि से सक्रिय हैं, तो पैल्विक परीक्षण कराएँ और हर साल STI परीक्षण कराएँ।
- अल्कोहल या मादक पदार्थों के उपयोग से बचें, जो आपके लिए जोखिम लेने का कारण बना सकते हैं।

© 2006 - October 16, 2020, Health Information Translations.

Unless otherwise stated, user may print or download information from www.healthinfotranslations.org for personal, non-commercial use only. The medical information found on this website should not be used in place of a consultation with your doctor or other health care provider. You should always seek the advice of your doctor or other qualified health care provider before you start or stop any treatment or with any questions you may have about a medical condition. The Ohio State University Wexner Medical Center, Mount Carmel Health System, OhioHealth and Nationwide Children's Hospital are not responsible for injuries or damages you may incur as a result of your stopping medical treatment or your failure to obtain treatment.